सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए
-बी.आर.अम्बेडकर

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 158 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 15 जुलाई, 2023

अश्विन की फिरकी में फंसे... 7 | राहुल के बयान, उन्ही को करतें... 3 | पिछड़े, दलित और वंचितों पर जुल्म... 2

राहुल गांधी ने पीएम को घेरा

'मोदी को मिला राफेल डील का ईनाम, फ्रांस ने बनाया मेहमान'

» कहा-राफेल से मिला बैस्टिल डे परेड का टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता विदेश में हों और देश में सियासत न हो ये मुमकिन नहीं है। जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका व इंग्लैंड के दौरे पर होते हैं तो यहां पर भाजपा उनके बयानों पर बवाल मचा देती है। वैसे ही जब भाजपा के नेता व पीएम नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा करते है तो उसके बाद विपक्ष उनपर सवालिया निशान उठाने लगता है। नया कोहराम पीएम के फ्रांस दौर को लेकर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हमला बोला है। तो उनपर कंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने भी पलटवार किया है।

मणिपुर हिंसा को लेकर यूरोपीय यूनियन की संसद में हुई चर्चा को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी के फ्रांस दौरे पर भी निशाना साधा. उन्होंने पीएम मोदी को फ्रांस के नेशनल डे पर मुख्य अतिथि बनाए जाने का कनेक्शन राफेल डील से बताया। शनिवार (15 जुलाई) राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, मणिपुर जल गया। यूरोपीय यूनियन की संसद में भारत के आंतरिक मुद्दे पर चर्चा हो गई, लेकिन प्रधानमंत्री चुप हैं। राफेल डील ने उन्हें बैस्टिल डे का टिकट दिला दिया।

सम्मान से निराश हो गए हैं राहुल : स्मृति ईरानी

राहुल के ट्वीट पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि एक व्यक्ति जो भारत के आंतरिक मामलों में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप चाहता है, एक निराश राजवंश जो मेक इन इंडिया की महत्वाकांक्षा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सम्मान मिलता है तो वो व्यक्ति भारत का मजाक उड़ाता है, लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद, वे इस बात से नाराज हैं कि रक्षा अनुबंध अब राजवंश के दरवाजे पर नहीं हैं।

मणिपुर हिंसा पर क्यों नहीं बोले पीएम

राहुल गांधी ने मणिपुर हिंसा को लेकर पीएम पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यूरोपीय यूनियन में इस मुद्दे पर हुई चर्चा का भी जिक्र किय। बता दें, यूरोपीय संघ की संसद ने मणिपुर में हाल में हुई हिंसा को लेकर भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर बृहस्पतिवार को एक प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति असहिष्णुता के चलते मणिपुर के हालात पैदा हुए। वहीं, यूरोपीय संघ की संसद में पारित किए गए एक प्रस्ताव को भारत ने औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित करार देते हुए खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह का हस्तक्षेप अस्वीकार्य है।

26 नेवल राफेल फाइटर जेट भारत सरकार ने भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से खरीदने के फैसले की जानकारी दी है।

सियासी कुनबा बढ़ाने की तैयारी, भाजपा ने चिराग-मांझी को लिखी चिट्ठी

» 18 जुलाई को एनडीए की बैठक, विपक्षी दल भी उसी दिन जुटेंगे

» नड्डा ने लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों में तैयारियां जोरों-शोरों पर हैं। जहां भाजपा के खिलाफ 15 विपक्षी दल एकजुट हुए हैं। वहीं, भाजपा ने भी 18 जुलाई को नई दिल्ली में एनडीए की बैठक बुलाई है। इस बैठक को लेकर भाजपा ने दूसरे पार्टियों को पत्र लिखकर आमंत्रित करना शुरू कर दिया है।

नड्डा ने चिराग पासवान को लेटर लिखकर एनडीए की बैठक में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि आपकी पार्टी एनडीए की

अहम साथी है। इसलिए आपको पीएम मोदी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को पत्र लिखकर 18 जुलाई को दिल्ली में होने वाली एनडीए की बैठक में आमंत्रित किया है।

मांझी को भी बैठक का बुलावा

नड्डा ने चिराग के अलावा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी को भी बैठक में शामिल होने का न्यौता दिया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि आपकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की अहम साथ है। इसलिए 18 जुलाई को होने वाली बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं।

तृणमूल कांग्रेस विपक्ष की बैठक में होगी शामिल

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बेंगलुरु में होने वाली संयुक्त विपक्ष की बैठक में शामिल होंगे। यह बैठक 18 जुलाई को होगी। ममता बनर्जी ने पहले संयुक्त विपक्ष की बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया था। ऐसा में उनका यह रुख विपक्ष के मनोबल को बढ़ाने में मदद करेगी।

इस पत्र में कहा गया है कि लोजपा (रामविलास) एनडीए का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आजम खां को दो साल की सजा

» नफरती भाषण के मुकदमे में दोषी करार, ढाई हजार रुपये का जुर्माना भी लगा

» जनसभा के दौरान की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सपा नेता आजम खां को नफरती भाषण मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने आजम खां को दो साल की कैद और ढाई हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। सजा के प्रश्न पर आजम खां के अधिवक्ता और अभियोजन का पक्ष सुना गया। आजम खां न्यायिक अभिरक्षा में है। आजम खां पर आरोप था कि 18 अप्रैल 2019 को धमारा गांव में जनसभा के दौरान उन्होंने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। उसके बाद एडीओ सहकारिता अनिल चौहान ने शहजादनगर में आजम खां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल की थी।

पिछड़े, दलित और वंचितों पर जुल्म ढा रही सरकार : मौर्य

स्वामी प्रसाद बोले : 2024 में जनता देगी मुंहतोड़ जवाब

» सपा सरकार में किए गए जनहितैषी कार्यों का करें प्रसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पिछड़े, दलित और वंचितों पर भाजपा सरकार निरंतर जुल्म ढा रही है, उनका हक मारा जा रहा है। इससे परेशान जनता 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को मुहतोड़ जवाब देगी। ये बातें पूर्व मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण में अपने दांव-पेंच लगाकर जरूरतमंदों का नुकसान कर रही है। सरकारी विभागों में निकाली जा रही रिक्तियों में पदों के आरक्षण का आवंटन निर्धारित अनुपात से भिन्न हो रहे हैं।

सपा नेता ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी लोग सरकार की जन विरोधी नीतियों का प्रचार करें और सपा सरकार में किए गए जनहितैषी कार्यों का आम लोगों के बीच प्रसार करें। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव, दूधनाथ पटेल, ब्लॉक प्रमुख मो. मुजफ्फर, ज्ञानचंद मौर्य, डॉ. संगम लाल मौर्य, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुधीर मौर्य, विजय मौर्य, आदिल हमजा, दिनेश पाल, सुशील मौर्य आदि मौजूद रहे।

महंगाई व बेरोजगारी से लोग परेशान : विश्वनाथ

सरकार विरोधी नीतियों के बारे में जागरूक करें : बसपा

अमेठी। बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि महंगाई व बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। ऐसे में लोगों को सरकार विरोधी नीतियों के बारे में जागरूक करें। अमेठी और जगदीशपुर का दौरा कर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सेक्टर व बूथ कमेटियों को मजबूत करने का आह्वान किया। हलियापुर में वामसेफ के वरिष्ठ कार्यकर्ता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामदीन गौतम के आवास बैठक कर लोकसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा की। कहाकि कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियां बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों की विरोधी हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को क्षेत्र में रहने और सभी नये पुराने कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए बसपा की रीति नीति और उपलब्धियों पर संवाद अभियान चलाने को कहा। जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार, रामदीन गौतम, जिला संयोजक संजीव भारती ने विचार व्यक्त किया। बसपा के मंडल जोन इंचार्ज राम अभिलाष बौद्ध, राम भारत कोरी, तिलक राम भारती, राम लगन विद्यार्थी, राम प्रकाश पाल , रमेश कुमार, बृजेश जायसवाल, सुरेंद्र कुमार अम्बेडकर, अनिल कुमार, विजय कुमार, अशोक कुमार, नरेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बहन जी से मैने बहुत कुछ सीखा है : चंद्रशेखर

» बोले-बसपा सुप्रीमो मायावती मेरी राजनीतिक गुरु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद बसपा सुप्रीमो मायावती को अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं। हाल ही में जब उनसे पूछा गया कि दलितों में बढ़ रहे उनके प्रभाव से क्या मायावती परेशान हैं। इस पर भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर बोले, मैं उनका आदर करता हूं, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। मायावती फिलहाल, दिल्ली में हैं, चर्चा है कि वह वहां लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति बना रही हैं।

मायावती के सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा, मैं मायावती से बहुत कुछ सीख रहा हूं। हमारी पार्टी अलग हैं लेकिन विचारधारा एक है। इतना ही नहीं उन्होंने बहुजन के लिए मायावती के संघर्ष की तारीफ भी की। उनका कहना था, महिला होने के नाते उनका रास्ता आसान नहीं था। मैं उन्हें गुरु के तौर पर आदर देता हूं। ईश्वर उन्हें लंबी आयु दे। कुछ समय पहले जब चंद्रशेखर पर सहारनपुर में गोली चली थी उस समय तमाम नेताओं ने उनका हालचाल पूछा था। लेकिन मायावती की तरफ से न कोई ट्वीट हुआ न संपर्क किया गया। जब इस बारे में चंद्रशेखर से पूछा गया तो उन्होंने कहा, जरूर नहीं कि मां बोलकर ही अपनी चिंता जाहिर करे। वह मुझे बहुत प्यार करती हैं। बिना बोले ही उनका आशीर्वाद मुझतक पहुंचा है।

370 पर रोज सुनवाई, कहीं गड़बड़ तो नहीं : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 370 पर फैसला करते समय देश के संविधान और कानून की रक्षा करेगा। हालांकि, उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा पिछले महीने 19वीं अखिल भारतीय कानूनी सेवा प्राधिकरण की बैठक के लिए कश्मीर का दौरा करने के तुरंत बाद मामले की सुनवाई की तारीखों की सूची पर आशंका जताई थी।

श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा ने कहा, पिछले चार वर्षों में कोई सुनवाई नहीं हुई जब बिना किसी आपात स्थिति वाले इतने सारे मामलों

की सुनवाई की गई। इसलिए कश्मीर दौरे के तुरंत बाद मामले की सुनवाई करना और यह तय करना कि यह 2 अगस्त के बाद रोजाना होगा, कहीं न कहीं यह आशंका पैदा करता है कि जिस भाजपा ने पहले जी20 और फिर इन जजों के दौरे के जरिए जाल बिछाया है, शायद कुछ गड़बड़ है।

हार का बदला ले रही है भाजपा : आप

» जानबूझकर हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ का कहर जारी है इस बीच वहां की आप सरकार ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। आप ने बीजेपी से सवाल किया है कि क्या भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गहरी साजिश रचकर दिल्ली को डुबाया है? क्या बीजेपर दिल्ली के लोगों को बाढ़ में मार कर अपनी हार का बदला लेना चाहती है? आम आदमी पार्टी की तरफ से दावा किया गया कि एक युवा हथिनीकुंड बैराज से साफ दिखा रहा है कि किस तरह साजिश करके सारा पानी राजधानी की तरफ छोड़ दिया गया। जबकि उत्तर प्रदेश की तरफ जाती एक नहर पूरी तरह से सूखी है। साथ ही आप ने कहा कि दिल्ली वालों से नफ़रत में अंधी हो चुकी है बीजेपी।

यूपी की तरफ जाने वाली नहर सूखी

आम आदमी पार्टी का दावा है कि हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से जान-बूझकर सारा का सारा पानी दिल्ली की तरफ छोड़ा गया जबकि उत्तर प्रदेश की तरफ जाने वाली नहर पूरी तरह सूखी पड़ी है। अगर इस नहर में भी पानी छोड़ा जाता तो दिल्ली में बाढ़ नहीं आती। आप को शंका है दिल्ली की जनता बीजेपी को सरकार बनाने का मौका नहीं दे रही है शायद इसीलिए बीजेपी दिल्ली की जनता से बदला ले रही है। आम आदमी पार्टी ने वीडियो ट्वीट कर कहा, इन सभी सवालों के जवाब इस वीडियो को देखने के बाद मिल जाएगा।

दरअसल राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़ के पानी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। कई इलाकों में बाढ़ का पानी जाने से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। लोगों को आने- जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में लोग अपना आशियाना छोड़कर दूसरी जगह अस्थाई आशियाना बनाया है।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में मंत्रियों को बंटे विभाग

» अजित ने वित्त व भुजबल ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री का कार्यभार संभाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। करीब दो सप्ताह पहले शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा से अलग होकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री बने अजित पवार को वित्त मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। कल सीएम एकनाथ सिंह ने उन्हें काम बांट दिया है। छगन भुजबल को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। महाराष्ट्र सरकार में अब 28 कैबिनेट मंत्री हैं, लेकिन कोई राज्य मंत्री नहीं हैं।

मंत्रिमंडल में अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के पास गृह, ऊर्जा, जल संसाधन, विधि और न्यायपालिका जैसे महत्वपूर्ण विभाग रहेंगे। लोक निर्माण विभाग और खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालयों का कामकाज देख रहे भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण के पास अब केवल लोक निर्माण विभाग मंत्रालय (सार्वजनिक उपक्रमों के अतिरिक्त) बचा है।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा चिकित्सा शिक्षा जैसे दो महत्वपूर्ण मंत्रालय पहले फडणवीस के करीबी सहयोगी गिरीश महाजन के पास थे। शुक्रवार को हुए विभाग वितरण में राकांपा नेता हसन मुशरिफ को चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय दिया गया है। मुशरिफ महा विकास आघाड़ी सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री थे। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि अब शिवसेना के उन विधायकों से बदला लिया जा रहा है जिन्होंने जून 2022 में उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत की थी। मुख्यमंत्री शिंदे ने खुद पांच मंत्रालय छोड़े हैं जिनमें लोक निर्माण विभाग, विपणन, आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास, मृदा तथा जल संरक्षण और अल्पसंख्यक विकास विभाग हैं।

डिप्टी सीएम सिंहदेव को मिला ऊर्जा विभाग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम को अपने मंत्रिमंडल में जगह देने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया। मरकाम ने शुक्रवार सुबह मंत्रिपद की शपथ ली। उन्हें बुधवार को प्र देश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाया गया था। बस्तर क्षेत्र के सांसद दीपक बैज को कांग्रेस की प्रदेश इकाई की कमान सौंपी गई है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन ने मरकाम समेत चार मंत्रियों के विभागों के संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, नव नियुक्त उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन एवं वाणिज्यिक कर(जीएसटी) के साथ ऊर्जा विभाग का प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले ऊर्जा विभाग मुख्यमंत्री बघेल के पास था। मरकाम को आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। पहले यह विभाग मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम के पास था, जिन्होंने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। राज्य में टेकाम के पास रहे दो अन्य विभाग स्कूल शिक्षा और सहकारिता विभाग को मंत्री रविंद्र चौबे को आवंटित किया गया है।

राहुल के बयान, उन्ही को करते हलकान

बदनाम हुए तो क्या नाम नहीं होगा

» कई मामलों में हो चुकी है कार्रवाई

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

» मोदी सरनेम मामले में राहुल को मिली सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। धीरे-धीरे अपने बयानों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी गंभीर नेता के रूप में उभर रहे हैं। हालांकि भाजपा ने अपने तिकड़म से उनकी छवि घूमिल करन की भरसक कोशिश की पर कामयाब नही हां पाई। भारत जोड़ो यात्रा, मणिपुर मामल में गंभीरता के दौरान उन्होंने बड़ा ही सटीक व संभली हुई टिप्पणियां की जो उनके बदलाव को इंगित करता है। उनके इस बदले हुए रूप को लाभ उन्हें कर्नाटक चुनाव में मिला ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ऐसे ही अगर वह करते रहे तो 2024 चुनाच में उनकी पार्टी को मोदी सरकार के खिलाफ लाभ हो सकता है। ऐसा नहीं है राहुल अभी बदलाव आया है इससे पहले उनके बयानों ने उनको कोर्ट-कचहरियों के चक्कर लगवाएं हैं। जिनमें कुछ पर अब भी सुनवाई होनी हैं।

दरअसल, गुजरात हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने राहुल गांधी पर तल्ख टिप्पणी भी की। कोर्ट ने ये भी कहा कि राहुल ने पुनर्विचार याचिका के लिए जो आधार बनाया है, वो कमजोर है। न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने राहुल की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कई बातों का जिक्र किया। इसमें उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे दस मामलों का भी जिक्र किया। ये वो मामले हैं, जो राहुल गांधी के विवादित बयानों के बाद दर्ज हुए हैं। आइए जानते हैं राहुल के खिलाफ चल रहे मामलों के बारे में,

महात्मा गांधी की हत्या को आरएसएस से जोड़ने पर भी घिरे

राहुल गांधी ने मार्च 2014 में ठाणे जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए RSS पर विवादित बयान दिया था। राहुल पर आरोप लगा कि उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि आरएसएस के लोगों ने ही महात्मा गांधी की हत्या की थी। इस बयान से विवाद खड़ा हो गया। आरएसएस की भिवंडी इकाई के प्रमुख राजेश कुंटे ने आरएसएस को बदनाम करने के लिए राहुल पर मुकदमा दायर किया। इस मामले में मुकदमा अभी शुरू नहीं हुआ है क्योंकि शिकायतकर्ता अभी तक कोई गवाह नहीं ला पाया है। 2016 में गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर अपने हलफनामे में स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी महात्मा गांधी की हत्या के लिए आरएसएस को संस्था के रूप में दोषी नहीं ठहराया।

राफेल को लेकर पीएम मोदी पर की थी विवादित टिप्पणी

सितंबर 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर राहुल गांधी ने भाजपा पर तंज कसा था। राहुल ने एक फ्रांसीसी प्रकाशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, भारत के कमांडर-इन-चोर के बारे में दुखद सच्चाई। इस ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा गया था, जिन पर कांग्रेस नेता ने रिलायंस को फायदा पहुंचाने के लिए सौदे में बदलाव करने का आरोप लगाया था। इस मामले में गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज है। यह मामला गुड़गांव की एक अदालत में लंबित है।

राहुल के खिलाफ कई और मामले दर्ज

राहुल गांधी ने 2019 के अपने चुनावी हलफनामे में भी कई केस का जिक्र किया है। इनमें चार मामले आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत दर्ज हुए हैं। ये मामले महाराष्ट्र, झारखंड, असम में दर्ज हुए हैं। इसके अलावा दिल्ली में आईपीसी की धारा 403, 406, 420 और 120 बी के तहत भी केस दर्ज हुआ है।

अमित शाह और नोटबंदी पर टिप्पणी कर फंसे

जून 2018 में, राहुल गांधी ने एक ट्वीट कर अमित शाह पर अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के निदेशक होने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी के दौरान बैंक ने पांच दिन के भीतर 750 करोड़ रुपये के पुराने नोट बदले हैं। कांग्रेस नेता ने यह आरोप लगाने के लिए एक आरटीआई जवाब का हवाला दिया। इस मामले मं भी राहुल पर मामला दर्ज है। ये मामला भी अभी कोर्ट में लंबित है। पत्रकार गौरी लंकेश की 2017 में बेंगलुरु में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के कुछ ही घंटों के भीतर राहुल गांधी ने एक प्रेस वार्ता की। इसमें उन्होंने आरएसएस पर निशाना साधा। जो कोई भी भाजपा की विचारधारा के खिलाफ, आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ बोलता है उस पर दबाव डाला जाता है। पीटा जाता है, हमला किया जाता है और यहां तक कि उसे मार दिया जाता है। इस बयान को लेकर राहुल के खिलाफ एक आपराधिक मानहानि और एक नागरिक मुकदमा दायर किया गया है। मामला अभी कोर्ट में लंबित है।

सावरकर पर टिप्पणी करने पर भी मामला

राहुल गांधी के खिलाफ साल 2022 में नया मानहानि का केस दायर हुआ है। राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विनायक दामोदर सावरकर पर टिप्पणी की थी। एक प्रेस वार्ता में राहुल ने कहा, %सावरकर ने आजादी से पहले अंग्रेजों को माफी पत्र पर हस्ताक्षर करके महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को धोखा दिया।% इस मामले में वीर सावरकर के पोते विनायक सावरकर ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

शाह पर लगाया हत्या का आरोप

2019 में मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह पर विवादित टिप्पणी की थी। राहुल ने अमित शाह को हत्या का आरोपी बताया था। तब अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। त्यारोपी भाजपा प्रमुख अमित शाह, वाह, क्या शान है...। इस बयान के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। अभी ये मामला लंबित है। जबलपुर की तरह ही राहुल ने झारखंड में भी अमित शाह पर विवादित बयान दिया था। 2019 में राहुल गांधी ने झारखंड में कांग्रेस अधिवेशन के दौरान विवादित भाषण दिया था। यहां भी उन्होंने अमित शाह को हत्या का आरोपी बताया था। इस बयान पर दो मानहानि के मामले दायर किए गए। एक चाईबासा जिले में और दूसरा रांची में भाजपा कार्यकर्ता प्रताप कटियार और नवीन झा द्वारा। ये मामले भी अभी लंबित हैं।

मंदिर में प्रवेश को लेकर राहुल के बयान से विवाद

दिसंबर 2015 में, असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार चल रहे थे। इस बीच, राहुल गांधी को बारपेटा सत्र मठ का दौरा करना था, लेकिन बाद में उन्होंने दावा किया कि आरएसएस के लोगों ने उन्हें मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया था। इसके तुरंत बाद आरएसएस कार्यकर्ता अंजन बोरा ने राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने महिला श्रद्धालुओं का अपमान किया। जस्टिस हेमंत प्रच्छक ने कहा कि राहुल गांधी बिल्कुल गैर-मौजूद आधार पर दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। उनके खिलाफ 10 मामले लंबित हैं।

एक शिकायत कैंब्रिज में राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर के खिलाफ शब्दों का इस्तेमाल करने के बाद वीर सावरकर के पोते द्वारा पुणे कोर्ट में दायर किया गया है। 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने राहुल को दो साल की सजा सुनाई थी। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में राहुल के खिलाफ तीन केस दर्ज हुए थे।

भाजपा से ज्यादा पाने की इच्छा में सहयोगी

» सुभासपा और निषाद पार्टी की हिस्सेदारी पर टिकी अपना दल की नजर

» नये साथियों को भी जोड़ने की जुगत में बीजेपी

» अपना दल (एस) हिस्सेदारी को लेकर सजग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव केमद्दे नजर भाजपा अपना कुनबा बढ़ाने में लगी है। इसी सिलसिल में वह यूपी में आपने पुराने साथियों के साथ-साथ नए दोस्तों के लिए पलक पावड़े बिछाने में लगी हुई है। वहीं उसके साथी 24 के लोक सभा चुनाव में ज्यादा सीटे मांगने की योजना बना रहे हैं।

दल (एस) भी हिस्सेदारी तय करने को लेकर सक्रिय हो गया है। हालांकि उसकी निगाहें सुभासपा और निषाद पार्टी को मिलने वाली हिस्सेदारी पर टिकी है। ताकि वह उसको ही आधार बनाकर अपने लिए सीट छोड़ने का प्रस्ताव भाजपा हाईकमान के सामने रख सके । लोकसभा चुनाव में हिस्सेदारी को लेकर प्रदेश से जुड़े एनडीए के घटक दलों ने भी कवायद शुरू कर दी है। सुभासपा का जहां एनडीए में शामिल होना पक्का माना जा रहा है, वहीं निषाद पार्टी भी अपने कोटे की सीट तय करने को लेकर भाजपा पर दबाव बनाए हुए है। इसे देखते हुए अपना दल (एस) भी हिस्सेदारी तय करने को लेकर सक्रिय हो गया है। हालांकि उसकी निगाहें सुभासपा और निषाद पार्टी को मिलने वाली हिस्सेदारी पर टिकी है। ताकि वह उसको ही आधार बनाकर अपने लिए सीट छोड़ने का प्रस्ताव भाजपा हाईकमान के सामने रख सके ।

निषाद पार्टी व सुभासपा के 6-6 विधायक

दरअसल प्रदेश में भाजपा के सहयोगी के तौर पर सरकार में शामिल निषाद पार्टी के सिंबल पर जीते कुल छह विधायक हैं। वहीं, एनडीए में दुबारा शामिल होने को तैयार सुभासपा के छह विधायक हैं। जबकि अपना दल (एस) 2014 के लोकसभा चुनाव से ही एनडीए के साथ है और मौजूदा समय में इसके दो सांसद और 13 विधायक हैं । इसलिए अपना दल खुद को सबसे बड़ा सहयोगी दल मानता है। इस लिहाज से पार्टी का मानना है कि लोकसभा चुनाव में अपना दल (एस) को निषाद पार्टी और सुभासपा से अधिक सीटें मिलने चाहिए । हालांकि अपना दल ने पत्ता नहीं खोला है । बता दें कि 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में अपना दल (एस) एनडीए का हिस्सा बना था । उस समय भाजपा ने इनके लिए मिर्जापुर और प्रतापगढ़ सीट छोड़ी थी। मिर्जापुर से खुद पार्टी अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल चुनाव लड़ी थीं और जीतने इन्हें केन्द्र में राज्यमंत्री बनाया गया था । उस समय अपना दल के पास सिर्फ एक विधायक था । इसके बाद प्रदेश में 2017 हुए हर विधानसभा चुनावों में अपना दल (एस) के विधायकों की संख्या बढ़ती ही गई है।

2017 में अपना दल (एस) को दी थीं 11 सीटें

2017 विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने अपना दल (एस) के लिए 11 सीटें छोड़ी थी, 9 उम्मीदवार जीते थे। जबकि 2022 के विधानसभा के चुनाव में अपना दल (एस) के विधयकों की संख्या 12 हो गई थी और हाल में ही हुए उपचुनाव में रामपुर की स्वार सीट जीतने के बाद इनके विधायकों की संख्या 13 हो गई है। ऐसे में अपना दल (एस) चाहता है कि 2024 लोकसभा चुनाव में जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी% के सिद्धांत पर ˙ सीट मिले ।

24 में चार सीट पर दावेदारी पेश कर सकता है अपना दल (एस)

सूत्रों की माने तो अपना दल (एस) 2024 के लोस चुनाव में चार सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है। पिछले चुनाव में पार्टी को मिर्जापुर और सोनभद्र सीट मिली थी। लेकिन इस बार पार्टी मिर्जापुर के साथ ही प्रतापगढ़ व बस्ती सीट पर दावेदारी करने का मन बनाया है। वहीं, सोनभद्र के स्थान पर बुंदेलखंड की एक सीट पर लेना चाहते हैं। हालांकि पार्टी ने अभी तक इस संबंध में पत्ता नहीं खोला गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आसमान की ओर 140 करोड़ निगाहें

चंद्रयान-3 की लॉन्च होते ही सतीश धवन स्पेस सेंटर समेत पूरे देश में तालियों की गड़गड़ाहन सुनाई दे रही थी और पूरे देश की आंखें सिर्फ उस रॉकेट को निहार रही थीं, जो हमारे देश के लिए एक कीर्तिमान रचने के लिए चांद पर जा रहा था। ये दिन कई मायनों में पूरे देश के लिए खास है।

कल यानी 14 जुलाई का दिन भारत के इतिहास में एक यादगार दिन की तरह गिना जाएगा। क्योंकि इस दिन भारत की उपलब्धि में एक और नाम जुड़ गया है। 14 जुलाई की दोपहर को 2 बजकर 35 मिनट पर भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी कि इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से भारत के तीसरे मून मिशन चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। चंद्रयान-3 लॉन्च होते ही स्पेस सेंटर समेत पूरे देश में तालियों की गड़गड़ाहन सुनाई दे रही थी और पूरे देश की आंखें सिर्फ उस रॉकेट को निहार रही थीं, जो हमारे देश के लिए एक कीर्तिमान रचने के लिए चांद पर जा रहा था। ये दिन कई मायनों में पूरे देश के लिए खास है। अब बस सभी को ये उम्मीद और आशा है कि भारत का ये चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चांद पर लैंड कर जाए।

अगर सबकुछ ठीक रहा तो चंद्रयान 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे IST पर चंद्रमा की सतह पर लैंड हो जाएगा और भारत की शान और उसके गौरव में एक और सितारा चांद पर जुड़ जाएगा। क्योंकि ऐसा करते ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद ऐसा करने वाली दुनिया की चौथी शक्ति बन जाएगा। इसरो इससे पहले साल 2008 में चंद्रयान-1 और 2019 में चंद्रयान-2 लॉन्च कर चुका है। कई सालों की मेहनत और करीब 615 करोड़ की लागत से तैयार हुआ ये मिशन भारत के लिए इसलिए भी काफी अहम है। क्योंकि चार साल पूर्व 2019 में 7 सितंबर को रात के करीब 1 बजकर 40 मिनट पर भारत एक और उपलब्धि को अपने नाम करने जा रहा था। क्योंकि भारत का लैंडर विक्रम चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग शुरू कर चुका था। करीब 1 घंटे सब कुछ प्लान के मुताबिक चलता रहा। हर कदम के साथ बेंगलुरु स्थित इसरो के मिशन कंट्रोल रूम में तालियों की गड़गड़ाहट बढ़ती जा रही थी। लेकिन फिर रात के 2.50 बजते ही अचानक खामोशी छा गई। वहां मौजूद वैज्ञानिकों के चेहरे मुरझा गए। क्योंकि चंद्रयान-2 के वैज्ञानिकों की 11 साल की मेहनत और धरती से चांद तक का 47 दिनों का रास्ता तय करने के बाद मंजिल के इतना करीब पहुंचकर लैंडर विक्रम क्रैश हो गया था। उस दिन तत्कालीन इसरो प्रमुख के. सिवन के साथ-साथ पूरे देश की आंखें नम थीं। लेकिन आज चार साल बाद इस देश को फिर से गर्व करने और अपनी निगाहों को आसमान की ओर गर्व से उठाने का मौका मिला है। जब भारत ने अपने चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर लिया है। सभी को बस ये ही उम्मीद है कि भारत का चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चांद पर लैंड भी कर जाए। ताकि इस बार हर भारतीय चेहरे पर मुस्कान और दिलों में गर्व का एहसास हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनाव पूर्व साख बनाने के लिए दलों के दांव

यश गोयल

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पूर्व राजनीतिक दलों की 'नेट प्रैक्टिस' शुरू हो चुकी है। यूं तो राजस्थान में 1998 से अब तक जो विधानसभा चुनाव हुए, उनमें कांग्रेस पार्टी ने किसी भी प्रत्याशी को अपना मुख्यमंत्री घोषित करके चुनाव नहीं लड़ा। वर्ष 1998, 2003 और 2018 में जब भी कांग्रेस सत्ता में आई तब-तब विधायकों ने सीएलपी बैठक के बाद एक लाइन प्रस्ताव पारित कर पार्टी हाई कमांड (सोनिया गांधी) को अधिकृत किया कि वो मुख्यमंत्री का चयन करें। इसलिए तीन बार अशोक गहलोत को मौका मिला। विधानसभा चुनाव से पांच माह पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने हाल ही में दिल्ली में राजस्थान के वरिष्ठ सदस्यों, मंत्रियों और विवादों में उलझे रहे सचिन पायलट की मौजूदगी में तय किया कि पार्टी को संगठित और नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा।

अपने दोनों पैर के पंजों में दुर्घटना के बाद प्लास्टर बंधे और व्हीलचेयर पर बैठे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल बैठक में भाग लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ अपनी सहमति व्यक्त की। दिल्ली बैठक में संकेत देने की कोशिश हुई कि गहलोत और पायलट के बीच तीन साल से 'सीएम कुर्सी' के लिये चला आ रहा विवाद और मीडियाबाजी समाप्त हो गयी है। तय हुआ कि गहलोत की सफल योजनाओं के आधार पर चुनाव लड़ा जायेगा। पायलट की तीन मांगों में से दो गहलोत सरकार ने मान ली हैं। कांग्रेस में सितम्बर में चुनाव में जीतने वाले नेताओं को टिकट दे दिये जायेंगे। पार्टी हाई कमांड की बैठक बाद पायलट ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में स्वीकारा कि, 'अशोक गहलोत जी मुझसे बड़े हैं, उनके पास अनुभव भी ज्यादा है। जब मैं राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष (2013-18) था तो मैंने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की। मुझे लगता है कि आज वह मुख्यमंत्री हैं। सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी और जनता किसी भी व्यक्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण है।' काश! पायलट ये बात 2020 में उपमुख्यमंत्री रहते हुए मान लेते तो आज अच्छी स्थिति में होते।

विपक्ष में खड़ी भाजपा को जब से नये अध्यक्ष और चितौड़गड़ के सांसद सीपी जोशी मिले तब से वे पूर्व पार्टी अध्यक्ष सतीश पूनिया की जनाक्रोश यात्रा को भूल कर 'विजय संकल्प' के धरने, प्रदर्शन और सड़कों पर कांग्रेस विरोधी मुद्दे उठाकर गिरफ्तारियां देने

में लगे हुए हैं। पिछले दिनों तो एक ही हफ्ते में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री की विशाल जनसभाएं मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों पर बालेसर, उदयपुर, और बीकानेर में क्रमशः करा दी गयीं। भाजपा को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उठाये गये सरकार में फैले भ्रष्टाचार और एंटी इनकम्बेंसी के मुद्दे पर हार मिली। भाजपा ने तय किया कि वो भी गहलोत सरकार को चारों ओर से भ्रष्टाचार के मुद्दों, लॉ एंड आर्डर और मुस्लिम तुष्टीकरण पर घेरेगी। इसी को ध्येय बनाकर राजनाथ सिंह ने दावा किया कि मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल में उन पर और उनके किसी मंत्री पर एक भी करप्शन का आरोप नहीं लगा है, जबकि राजस्थान में केंद्र की स्कीमों और अन्य स्थानीय मामलों के बजट पर भ्रष्टाचार की बानगी है। अमित शाह ने विपक्ष के 21 दलों के गठबंधन पर और सीधे राजस्थान मुख्यमंत्री पर आरोप मढ़ दिया कि गहलोत अपने बेटे वैभव को भी मुख्यमंत्री बनाने में व्यस्त हैं। कानून व्यवस्था पर शाह ने उदयपुर के कन्हैयालाल मर्डर केस का जिक्र करते हुए मंच से यह तक कह दिया कि केंद्रीय एजेंसी एनआईए ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था तथा सरकार ने अभी तक इस केस के लिये एक 'विशेष कोर्ट' तक नहीं बनाई। प्रधानमंत्री ने पिछले आठ-नौ महीनों में राजस्थान को हजारों करोड़ की विकास योजनाएं दीं। वहीं मोदी ने राजस्थान बीजेपी द्वारा आयोजित 7 पब्लिक रैलियों में भी राज्य के पूर्व, उत्तर, दक्षिण, और पश्चिम जिलों से विधानसभा चुनाव के बिगुल बजाये। बीकानेर के रैली में उन्होंने तो कांग्रेस को 'लूट की दुकान' और 'झूठ का बाजार' की संज्ञा दे दी। कहा, जो पैसा केंद्र भेजता है उस पर कांग्रेस का पंजा झपट्टा मार लेता है।

भाजपा ने 2018 का राजस्थान चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी के कारण और कांग्रेस द्वारा उठाए गए घोटालों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर हारा था। जबकि भाजपा ने किसी को भी मुख्यमंत्री चेहरा नहीं बनाया था। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता ने मोदी चेहरे पर राज्य के 25 सांसद (एक राएलपी-भाजपा गठबंधन का था) भाजपा की झोली में डाल दिये थे।

स्वच्छ स्रोतों से ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें भारत समेत दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें भारत सरकार ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने और इसे प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोगों, नीति और विनियमन में वैश्विक रुझानों के साथ जोड़ने की कोशिश की। जिस तरह से देश को ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक हब बनाने के लिए कदम उठाने शुरू किए गये हैं, उसको लेकर विदेशी एजेंसियां भी आश्वस्त हैं। दुनिया की तीन बड़ी वित्तीय विकास से जुड़ी एजेंसियों एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक और विश्व बैंक ने करीब 28 अरब डॉलर की मदद देने का प्रस्ताव किया है। ग्रीन हाइड्रोजन पर आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का कहना था कि भारत अभी तक ऊर्जा का आयात करता रहा है, लेकिन ग्रीन हाइड्रोजन के विकास के साथ उसके एक ऊर्जा निर्यातक देश बनने की पूरी संभावना है। कई देश यहां से ग्रीन हाइड्रोजन का आयात करने की इच्छा जता चुके हैं। यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक भारत का हाइड्रोजन मित्र बनेगा।

भारत ने 2070 तक कार्बन नेट-जीरो हासिल करने और 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को मद्देनजर भारत सरकार ने बीती जनवरी में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया था। देश में मिश्रित पेट्रोल में इसके निर्माण की जमीन तैयार करने के लिए 19,744 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान है। वहीं ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सबसे जरूरी तत्व है रिन्युएबल सेक्टर में बनी ऊर्जा। खास बात यह कि भारत अभी दुनिया में सबसे सस्ती दर पर सौर ऊर्जा बना रहा है। ऐसे में विदेशी एजेंसियां यहां ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़े उद्योगों में दांव लगाने को तैयार हैं।

अंतर्राट्रीय एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2030 तक दुनिया में ग्रीन हाइड्रोडन की मांग 20 करोड़ टन सालाना की होगी। भारत द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जाहिर है कि ग्रीन हाइड्रोजन की वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उक्त लक्ष्य नाकाफी है। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का लक्ष्य 2030 तक देश में लगभग 125 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि के साथ, प्रतिवर्ष कम से कम 5 मिलियन मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता का विकास करना है। हाइड्रोजन प्राकृतिक तौर पर अन्य तत्वों के साथ संयोजन में मौजूद है। इसे पानी आदि यौगिकों से निकाला जाता है। हाइड्रोजन अणु के उत्पादन की प्रक्रिया ऊर्जा लेती है जिसे इलेक्ट्रोलिसिस कहते हैं। पानी के मामले में नवीकरणीय ऊर्जा (जैसे हवा, पानी या सौर ऊर्जा) का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विखंडन करके जिस हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है उसे ही ग्रीन हाइड्रोजन कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन में ग्रे हाइड्रोजन की तुलना में काफी कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उन क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करने के लिए किया जा सकता है जो विद्युतीकरण के लिए कठिन हैं, जैसे स्टील और सीमेंट उत्पादन। यह जलवायु परिवर्तन को सीमित करने में मदद करता है।

ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से इसमें इंसेंटिव के जरिये इलेक्ट्रोलाइजर जैसी सामग्री की लागत को कम करने में मदद मिलेगी। दरअसल, वर्तमान में प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन की कीमत लगभग 3 अमेरिकी डॉलर है। इस मिशन से आने वाले समय में यह दाम आधे से भी कम हो जाएगा। जिससे स्थानीय कारोबारी विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे और निर्यात में बढ़ोतरी होगी। इससे आयातित पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर निर्भरता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन हो सकेगा। ग्लोबल वार्मिंग का समस्या में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का बड़ा हाथ है। इसलिए प्राकृतिक स्रोतों से बनी बिजली के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिससे भारी उद्योगों को डीकार्बोनाइज करने में मदद मिलेगी और कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइड करने और जलवायु लक्ष्य प्राप्त करने के लिये हरित हाइड्रोजन की क्षमता को चिन्हित किया है। देश ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कई और नीतियां लागू की हैं। कंपनियों की तरफ से भारत में 35 लाख टन सालाना क्षमता की ग्रीन हाइड्रोजन लगाने की घोषणा हो चुकी है। इसमें दुनिया की कुछ दिग्गज ऊर्जा कंपनियां शामिल हैं। वर्ष 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की जितनी क्षमता देश में होगी, उसका 70 प्रतिशत निर्यात किया जाएगा। हाइड्रोजन के अनेक उपयोग हैं। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उद्योग में किया जा सकता है और घरेलू उपकरणों को बिजली देने के लिए मौजूदा गैस पाइपलाइनों में संगृहीत किया जा सकता है। हाइड्रोजन मिशन का मुख्य उद्देश्य भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब और स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बनाना है। इससे अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे जिसके चलते भारत में स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत में लगने वाली लागत भी कम होगी। उम्मीद है यह मिशन देश को कार्बन के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लेकर जायेगा।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करेंगी ये चीजें

नसों से खुद निकल जाएगी पीली गंदगी

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। आजकल अधिकतर लोग इस जानलेवा स्थिति का सामना कर रहे हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से नसों में ब्लॉकेज हो सकती है जिससे दिल के रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक आदि का जोखिम बढ़ सकता है। इसके कई कारण हैं और उनमें सबसे बड़ी वजह यह है कि आप क्या खाते-पीते हैं। दुर्भाग्य से अधिकतर लोग फास्ट फूड और मीठी चीजों का खूब सेवन कर रहे हैं, जिनमें भारी मात्रा में अनसैचुरेटेड फैट भरा होता है। यदि आप भी हाई कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित हैं, तो आपको अपनी डाइट पर ध्यान देना चाहिए।

डार्क चॉकलेट खाएं

अगर आप उन लोगों में से हैं जो हमेशा मिल्क चॉकलेट खाते हैं, तो आप अपने दिल के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे है। ज्यादा मात्रा में चीनी और फैट आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को काफी हद तक बढ़ा सकता है। इसके बजाय, डार्क चॉकलेट चुनें, क्योंकि इसमें फ्लेवोनोइड्स होता है, एक ऐसा यौगिक जो हृदय रोग के जोखिम को कम करता है।

ओलिव ऑयल का करें इस्तेमाल

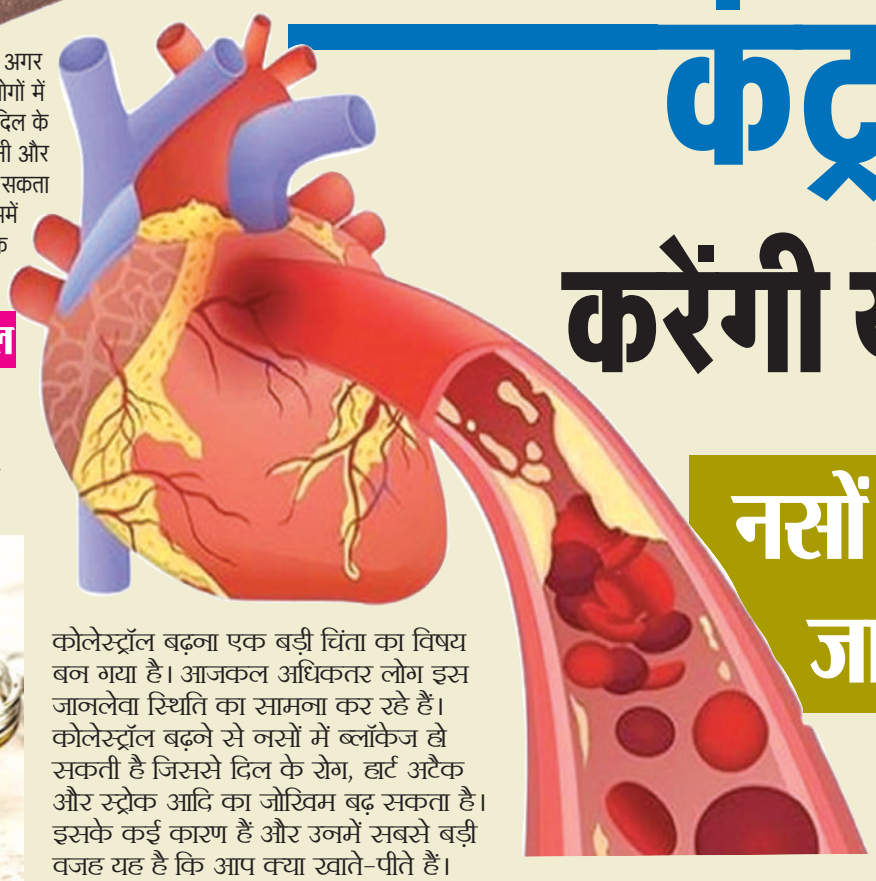

मक्खन का स्वाद लाजवाब होता है लेकिन दुख की बात है कि मक्खन सैचुरेटेड फैट से भरपूर होता है, जो दिल के लिए हानिकारक हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल को काबू रखने के लिए डाइट में इसके बजाय ओलिव ऑयल का इस्तेमाल करें क्योंकि इसमें हेल्दी फैट होता है।

क्विनोआ

चावल सभी घरों में खाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि चावल कोलेस्ट्रॉल लेवल पर प्रभाव डालता है। इसके बजाय आप क्विनोआ खा सकते हैं। यह साबुत अनाज प्रोटीन सहित कई स्वास्थ्य लाभों से भरा है। आप सफेद चावल की जगह ब्राउन चावल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

नट्स खाएं

आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, नमकीन और बिस्कुट का अधिकतर लोग खूब सेवन करते हैं। बेशक इन्हें खाने में मजा आता है लेकिन इनमें अन्हेल्दी फैट भरा होता है और यह तेजी से कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते रहते हैं। लंबे समय तक इनका सेवन दिल के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके बजाय, मुट्ठी भर नट्स खाएं। फाइबर और प्रोटीन से भरपूर नट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं।

फ्रोजन योगर्ट

जिन लोगों को आइसक्रीम खाने से खुद को रोकना मुश्किल लगता है, उनके लिए फ्रोजन योगर्ट एक बढ़िया विकल्प है। इसमें कम कैलोरी और कम शुगर होती है, और यह आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करता है। आप इसे घर पर ही बनाएं और इसमें ताजे फल या नट्स मिक्स करके खाएं।

हंसना मना है

सुबह-सुबह पत्नी ने कहा - जल्दी से न्यूजपेपर दो! पति - तुम भी कितने पुराने ख्यालात की हो, दुनिया कहां से कहां पहुंच गई और तुम न्यूजपेपर मांग रही हो! यह लो मेरा टैबलेट! पत्नी ने टैबलेट लिया और कॉकरोच पर दे मारा! अब पति सदमे में है!

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता बंता से बोला-अगर एक तरफ पैसा हो और दूसरी तरह दिमाग हो, तो तुम इन दोनों में से क्या लेना पसंद करोगे? बंता बोला- मैं पैसा लेना पसंद करुगा। संता बोला- मैं तो भाई दिमाग लेना पसंद करुगा। संता की बात सुनकर बंता बोला- जिसे जिस चीज की कमी होती है, वह वही लेना पसंद करता है।

संता- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, संता- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, संता- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

कहानी | संगति का असर

एक बार एक राजा शिकार के उद्देश्य से अपने काफिले के साथ किसी जंगल से गुजर रहा था। दूर-दूर तक शिकार नजर नहीं आ रहा था, वे धीरे-धीरे घनघोर जंगल में प्रवेश करते गए। अभी कुछ ही दूर गए थे की उन्हें कुछ डाकुओं के छिपने की जगह दिखाई दी। जैसे ही वे उसके पास पहुचें कि पास के पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-पकड़ो-पकड़ो एक राजा आ रहा है इसके पास बहुत सारा सामान है लूटो लूटो जल्दी आओ जल्दी आओ। तोते की आवाज सुनकर सभी डाकू राजा की और दौड़ पड़े। डाकुओं को अपनी ओर आते देख कर राजा और उसके सैनिक दौड़ कर भाग खड़े हुए। भागते-भागते कोसो दूर निकल गए। सामने एक बड़ा सा पेड़ दिखाई दिया। कुछ देर सुस्ताने के लिए उस पेड़ के पास चले गए, जैसे ही पेड़ के पास पहुंचे कि उस पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-आओ राजन हमारे साधु महात्मा की कुटी में आपका स्वागत है। अन्दर आइये पानी पीजिये और विश्राम कर लीजिये। तोते की इस बात को सुनकर राजा हैरत में पड़ गया और सोचने लगा की एक ही जाति के दो प्राणियों का व्यवहार इतना अलग-अलग कैसे हो सकता है। राजा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वह तोते की बात मानकर अन्दर साधु की कुटिया की ओर चला गया, साधु महात्मा को प्रणाम कर उनके समीप बैठ गया और अपनी सारी कहानी सुनाई और फिर धीरे से पूछा, ऋषिवर इन दोनों तोतों के व्यवहार में आखिर इतना अंतर क्यों है। साधु महात्मा धैर्य से सारी बातें सुनी और बोले, ये कुछ नहीं राजन बस संगति का असर है। डाकुओं के साथ रहकर तोता भी डाकुओं की तरह व्यवहार करने लगा है और उनकी ही भाषा बोलने लगा है। अर्थात जो जिस वातावरण में रहता है वह वैसा ही बन जाता है कहने का तात्पर्य यह है कि मूर्ख भी विद्वानों के साथ रहकर विद्वान बन जाता है और अगर विद्वान भी मूर्खों के संगत में रहता है तो उसके अन्दर भी मूर्खता आ जाती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

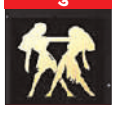

मिथुन शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय का लाभ लें।

धनु बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

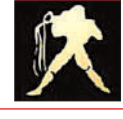

कुम्भ कष्ट, भय, चिता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

आलीशान जिंदगी में रहने के बाद भी मुझे चॉल की याद आती है : प्रिया बापट

प्रिया बापट मराठी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस हैं। इसके अलावा उन्होंने कई हिंदी फिल्मों और शो में भी काम किया है। शो सिटी ऑफ ड्रीम्स के लिए उन्हें खासतौर से जाना जाता है। इंडस्ट्री में आने से पहले प्रिया ने खूब पापड़ बेले हैं। वह एक कठिन संघर्ष से गुजरकर यहां तक पहुंची हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने मुश्किल भरे दिनों का जिक्र किया तो बताया कि वह दो दशक से अधिक समय तक चॉल में रही हैं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने जिंदगी के 25 से अधिक वर्ष दादर के चॉल में काटे हैं। प्रिया बापट के मुताबिक वह शादी होने तक वहीं रहीं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक साथ दीपावली का त्योहार मनाने से लेकर अपने दोस्तों के साथ खेलने तक...चॉल से जुड़ी उनकी ढेर सारी खूबसूरत यादें हैं। प्रिया बापट ने बताया कि वह जिस चॉल में रहीं उसकी एक खूबी यह थी कि वहां एक फ्लोर पर बने सभी घरों के दरवाजे अंदर से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। ऐसे में घर से बाहर निकले बिना ही एक घर से दूसरे घर जाना बहुत आसान था। इस व्यवस्था ने फ्लोर के सभी लोगों को एक-दूसरे से जोड़कर भी रखा हुआ था। प्रिया का कहना है कि अपार्टमेंट सिस्टम लोगों के बीच फासले बढ़ाता है। एक्ट्रेस ने कहा कि बेशक आज वह आलीशान घर में रहती हैं, लेकिन चॉल उनका पहला प्यार है। आपको बता दें कि प्रिया बापट, राजकुमार हिरानी की संजय दत और अरशद वारसी अभिनीत फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में एक छोटे से रोल में नजर आई थीं। वर्ष 2012 में आई मराठी फिल्म काकस्पर्श के जरिए उन्हें अच्छी पहचान मिली। प्रिया बीते महीने रिलीज हुई सीरीज रफूचक्कर में नजर आई थीं। रफूचक्कर को जियो सिनेमा पर देखा जा सकता है।

लोगों के दिल में उतर गई वेब सीरीज अधूरा

हाल ही में प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपनी पहली हिंदी हॉरर सीरीज़ अधूरा लॉन्च की है। इस सीरीज के स्ट्रीम होते ही क्रिटिक्स और मीडिया रिव्यूअर्स ने इसकी सस्पेंसफुल मिस्ट्री, दिलचस्प स्क्रीनप्ले की सराहना की, जिसमें डरावनी कहानी में कुछ अहम मुद्दों को बुनने के साथ-साथ विभिन्न और दिलचस्प तत्व शामिल हैं। और अब, दर्शक भी अपने सोशल मीडिया पेज पर विभिन्न किरदारों और स्थितियों के जरिए बुलिइंग और होमोफोबिया को छूने के लिए बहुत सारा प्यार और सराहना साझा कर रहे हैं।

बुलिइंग के पहलुओं और युवा दिमागों पर इसके प्रभाव को उजागर करने और होमोफोबिया को संबोधित करने के लिए अधूरा ने दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को लेकर दर्शक काफी बातें कर रहें है।

इस पर उस्मान बट नाम के एक यूजर लिखा, #AdhuraOnPrime #bullying और हैरेसमेंट पर एक इंटेंस वेब सीरीज है। एक दिलचस्प कंटेंट।

अत्यधिक अनुशंसित। @rahulDevRising को देखना अच्छा है लेकिन उनकी स्क्रीन उपस्थिति सीमित है पर फिर भी उन्होंने सीरीज को काफी हद तक आगे बढ़ाया है। एक और ट्विटर यूजर- सैड टेलर्स के वर्जन ने लिखा, जिस तरह से हर व्यक्ति के पास एक आर्क, एक कहानी, कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं! जिस तरह से इसने होमोसेक्सुअलिटी और बुलिइंग से जुड़ी संवेदनशीलताओं को उजागर किया ! मुझे ऐसी फिल्में देखकर बहुत खुशी होती है जो अपनी आवाज उठा रहे हैं और ऐसे विषयों को स्वीकार कर रहे हैं!

प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं सीरीज

अधूरा के लिए यह यूनिवर्सल प्यार और एक्सेप्टेंस दर्शाता है कि अच्छे कंटेंट को हमेशा दर्शक मिलते हैं। 7-एपिसोड की यह सीरीज अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। गौरव के चावला और अनन्या बनर्जी द्वारा निर्देशित और लिखित, अधूरा में रसिका दुग्गल, इश्वाक सिंह, श्रेनिक अरोड़ा, पूजन छाबड़ा, राहुल देव, रिजुल रे, ज़ोआ मोरानी, साहिल सलाथिया, अरु कृष्णश वर्मा और जामिनी पाठक हैं।

कुश पोस्टर के कारण ट्रोलर्स के निशाने पर आई सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु काफी वक्त से अपनी अगली फिल्म कुश को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का पोस्टर जारी किया है, जो अब तेजी से वायरल होने लगा है। सामंथा को फिल्म में विजय देवरकोंडा के साथ रोमांस करते हुए देखा जाने वाला है। फैंस उनकी इस फिल्म के लिए बेताब हैं, वहीं, अब एक्ट्रेस अपनी फिल्म के पोस्टर की वजह से ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ गई हैं। दरअसल, कुछ वक्त पहले ही सामंथा ने एक फिल्म का पोस्टर शेयर कर कहा है था कि ये काफी रिग्रेसिव दिख रहा है। अब सोशल मीडिया यूजर्स एक्ट्रेस को उन्हीं के शब्द याद दिलाकर ट्रोल करने लगे हैं। इस पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस एक नोटबुक पर कुछ लिख रही हैं। वहीं, उनके पास लेटे विजय देवरकोंडा ने उन पर पैर रखे हुए हैं। यह वर्ष 2013 की बात है जब सामंथा ने महेश बाबू और कृति सेनन की फिल्म नेनोक्कडीने के पोस्टर की आलोचना करते हुए इस पिछड़ा हुआ था। उन्होंने अपने इस ट्वीट में इसे रिग्रेसिव लिखा था। अब कई यूजर्स ने एक्ट्रेस के उसी ट्वीट का स्क्रीनशॉट शेयर कर लिखा है कर्मा हिट्स बैक। इसी तरह के कई कमेंट्स करते हुए करते हुए यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल किया है। शिवा निरवाने के निर्देशन में बनी कुशी में जयराम, सचीन खेड़ेकर और मुरली शर्मा जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। यह तेलुगु फिल्म 1 सितंबर को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे रहस्यमयी गांव

इस गांव में कभी नहीं होती बारिश

हमारी पृथ्वी पर अनगिनत रहस्यमयी स्थान हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां कभी बारिश नहीं होती। इसकी वजह जाकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। वैसे तो दुनिया के हर कोने में बारिश होती है फिर चाहे वह कम हो या ज्यादा। लेकिन हम जिस स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं वहां कभी बारिश नहीं होती।

दरअसल, यमन में अल-हुतैब नाम के एक गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती ये गांव यमन की राजधानी सना के पश्चिम में मनख के निदेशालय के हरज क्षेत्र में स्थित है। यहां अक्सर पर्यटक आते रहते हैं और शानदार नजारों का लुत्फ उठाते हैं। वैसे तो लगभग सभी गांवों में बारिश होती है, शायद ही आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना होगा जहां कभी बारिश नहीं होती है। लेकिन यमन का अल-हुतैब गांव दुनिया का एक ऐसा एक मात्र गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती।

इस गांव में पहाड़ों की चोटी पर भी इतने खूबसूरत घर बनाए हुए हैं, जिसे लोग देखते ही रह जाते हैं। यह गांव पृथ्वी की सतह से 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। गांव के चारों ओर का वातावरण वास्तव में काफी गर्म है। हालांकि सर्दियों के दौरान सुबह के समय वातावरण बहुत ठंडा होता है, लेकिन जैसे ही सूरज उगता है, लोगों को गर्मियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण और शहरी विशेषताओं के साथ प्राचीन और आधुनिक वास्तुकला दोनों को जोड़ने वाला यह गांव अब 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' लोगों का गढ़ है। इन्हें यमनी समुदाय कहा जाता है। ये मुहम्मद बुरहानुद्दीन के नेतृत्व वाले इस्माइली (मुस्लिम) संप्रदाय से आते हैं, जो मुंबई में रहते थे। साल 2014 में अपनी मृत्यु तक हर तीन साल में वो इस गांव का दौरा करते थे।

इस गांव की सबसे खास बात ये है कि यहां कभी बारिश नहीं होती। क्योंकि ये गांव बादलों के ऊपर बसा हुआ है।

बारिश करने वाले बादल इस गांव के नीचे ही बनते हैं। जिसकी वजह से गांव से निचले इलाकों में तो बारिश होती है लेकिन गांव में एक बूंद भी नहीं गिरती। यहां का नजारा ऐसा है, जैसा शायद ही आपने कभी कहीं देखा होगा।

इस संत की डेड बॉडी चार सदी से रखी है सुरक्षित, आज भी जिससे निकलता है खून

भारत में लाखों की संख्या में चर्चा है और बात गोवा की करें तो वहां पर हजारों की संख्या में चर्च है। भारत के सभी चर्च में कुछ ना कुछ ऐसा है जिसके कारण वो एक दूसरे से अलग हैं। लेकिन पुराने गोवा में एक ऐसा चर्चा है जो भारत में मौजूद सभी चर्च से पूरी तरह से जुदा है। इस चर्च में एक ईसाई संत की डेड बॉडी को बीते 450 सालों से सहेज कर रखा गया है। माना जाता है कि इस डेड बॉडी में कई दिव्य शाक्तियां मौजूद हैं और इसमें से आज भी खून निकलता है। पुराने गोवा में बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस नामक एक चर्च है। इस चर्च में सभी धर्मों के लोग आते हैं। हर साल 6-9 फरवरी तक गोवा में चलने वाले कार्निवल में इस चर्च में हजारों की संख्या में लोग आते हैं। गोवा के पणजी में स्थित इस चर्च में ही बीते 450 सालों से फ्रांसिस जेवियर नामक शख्स की बॉडी रखी हुई है। कहा जाता है कि फ्रांसिस जेवियर की डेड बॉडी में आज भी दिव्य शाक्तियां मौजूद हैं, जिसके कारण यह खराब नहीं होती है। हर 10 साल बाद लोगों के दर्शन के लिए यह बॉडी रखी जाती है। इस बॉडी को कांच के ताबूत में रखा गया है औप आखिरी बार साल 2014 में इसे लोगों के दर्शन करने के लिए रखा गया था। फ्रांसिस जेवियर का जन्म 7 अप्रैल 1506 ई. को स्पेन में हुआ था। फ्रांसिस जेवियर संत बनने से पहले एक सिपाही थे और वो इग्नाटियस लोयोला के छात्र थे। माना जाता है कि इग्नाटियस लोयोला जीसस के आदेशों के संस्थापक थे। गोवा पर जब पुर्तगालियों का राज था, तब वहां के राजा जॉन थर्ड और उस वक्त के पोप ने जेसुइट मिशनरी बनाकर फ्रांसिस जेवियर को गोवा में धर्म के प्रचार के लिए भारत भेजा था। उन्होंने सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि चीन और जापान समेत आस-पास के देशों में ईसाई धर्म की लोगों को दीक्षा दी थी। फ्रांसिस जेवियर जब चीन की यात्रा पर जा रहे थे, उस दौरान उनकी मौत हुई थी। माना जाता है कि सेंट जेवियर ने अपने आखिरी दिनों में कहा था कि अपने शिष्यों को गोवा में ही शव दफनाने के लिए कहा था। इसके बाद सेंट जेवियर के शिष्यों ने उनके शव को गोवा में ही दफना दिया। लेकिन सालों बाद रोम से कुछ संतों का एक डेलिगेशन वापस आया था, जिसके बाद उनके शव को कब्र से बाहर निकाला गया था और उसके बाद उनके शव को वापस दफनाया गया था। सेंट जेवियर के शव को तीन अलग अलग बार कब्र से बाहर निकाला गया था। कहा जाता है कि उनका शरीर आज भी उसी अवस्था में है, जैसा पहली बार था। एक महिला का दावा था कि उसने एक बार सेंट जेवियर के पैरों में सुई चुबाई थी तब वहां से खून निकलने लगा था। कहा जाता है कि अपनी मृत्यु से पहले सेंट जेवियर ने अपनी शाक्तियों से अपना एक हाथ अपने शरीर से अलग कर दिया था। यह हाथ आज भी इसी चर्च में मौजूद है।

मध्य प्रदेश के युवाओं का भविष्य संकट में डाल रही सरकार: जीतू

बोले-पटवारी भर्ती परीक्षा में घोटाला, परीक्षा रद्द कर जांच की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर भाजपा व कांग्रेस में वार पलटवार जारी है। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने शिवराज सरकार पर जमकर निशाना साधा। पटवारी ने कहा कि व्यापमं का नाम बदला लेकिन घोटाले नहीं रुक रहे। कांग्रेस की सरकार बनने पर नि:शुल्क परीक्षा व्यवस्था करेंगे। कांग्रेस मुख्यालय में जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं का भविष्य संकट में है।

व्यापमं प्रदेश के नाम पर कलंक है। व्यापमं का नाम बदला, लेकिन घोटाले जारी हैं। सरकार के काले कारनामे छिपने नहीं वाले। अब पटवारी घोटाला आ गया। उन्होंने पटवारी भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग की। साथ ही ऑनलाइन की जगह ऑफलाइन एक ही दिन में परीक्षा कराने के लिए कहा।

पटवारी ने कहा कि सरकार परीक्षा में शामिल होने वाले युवाओं के पैसे लौटाए। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर निःशुल्क परीक्षा व्यवस्था करेंगे। जीतू पटवारी ने नरोत्तम मिश्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि पटवारी घोटाला सरकार ने कराया है। नरोत्तम मिश्रा बोल रहे है कि कोई घोटाला नहीं हुआ। सीएम जांच की बात कर रहे हैं।

पटवारी ने हाईकोर्ट के जज से परीक्षा की जांच कराने की मांग की। साथ ही भाजपा से सवाल किया कि जिस सेंटर पर गड़बड़ी हुई है, वहां बुलडोजर कब चलेगा। साथ ही पटवारी ने पेपर लीक करने वाले दोषियों के उम्र कैद की सजा का प्रावधान करने को कहा।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक बनाए गए नरेंद्र सिंह

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें मध्यप्रदेश चुनाव प्रबन्धन समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एक पत्र जारी कर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को ये जिम्मदारी सौंपी है।

एनएसयूआई ने किया दर्शन

कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) के पटवारी भर्ती घोटाले को लेकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ता प्रतीकात्मक नोटों से भरी ब्रीफकेस लेकर व्यापमं चौराहा स्थित कर्मचारी चयन बोर्ड कार्यालय पहुंचे। ईएसबी की तरफ जाने से एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया। जिसके बाद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस प्रशासन के बीच झूमाझटकी भी हुई। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सहित अन्य कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। आशुतोष चौकसे ने कहा कि पटवारी भर्ती में हो रही अनियमितताएं मात्र संयोग नहीं हो सकतीं। इसमें निचले स्तर से लेकर ऊपर तक सभी जिम्मेदारों की भूमिका संदेहजनक है। पटवारी चयन भर्ती परीक्षा में घोटाला नया नहीं है बल्कि यह व्यापमं घोटाला पार्ट 3 है।

अपनी विफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ रहे बिस्वा सरमा : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सब्जियों की बढ़ती कीमतों के लिए मुस्लिम विक्रताओं को जिम्मेदार ठहराने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, शायद वे अपनी व्यक्तिगत विफलताओं का दोष भी मिया भाई पर मढ़ते हैं।

असम सीएम ने शुक्रवार को यह दावा करके एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया कि मुस्लिम सब्जी विक्रेता सब्जियों की कीमतें बढ़ा रहे हैं, और अगर असमिया लोग सब्जियां बेचते, तो वे कभी भी अपने असमिया लोगों से ज्यादा पैसे नहीं लेते। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कथित तौर पर कहा,वे कौन लोग हैं जिन्होंने सब्जियों की कीमत इतनी बढ़ा दी है? वे मिया व्यापारी हैं, जो ऊंची कीमत पर सब्जियां बेच रहे हैं। स्थानीय भाषा में मिया से मतलब बंगाली भाषी मुसलमानों से है जो असम में रहते हैं लेकिन माना जाता है कि वे मूल रूप से बांग्लादेश से आए हैं। असम के मुख्यमंत्री अक्सर मिया समुदाय पर असमिया संस्कृति और भाषा को विकृत करने की कोशिश करने का आरोप लगाते रहे हैं।

राजस्थान में राजे-पायलट की मुलाकात पर सियासी चर्चा तेज

» सचिन ने मुस्कुराकर पूर्व सीएम वसुंधरा को किया नमस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में आज एक रोचक वाकया हुआ, जिसकी सियासी गलियारों में खासकर मंत्री-विधायकों और राजनीतिक पार्टियों में जबरदस्त चर्चा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की आज विधानसभा में आमने-सामने मुस्कुराते हुए मुलाकात और बातचीत हुई।

मौका था विधानसभा सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण का, जब सदन में मौजूद वसुंधरा राजे को अपने सामने देखकर सचिन पायलट ने उन्हें नमस्कार कहा। इसके बाद पायलट और वसुंधरा एक दूसरे को देखकर खूब मुस्कुराए और दोनों में बातचीत शुरू हो गई। इस दौरान सदन में दोनों तरफ बीजेपी और कांग्रेस के कई विधायक भी मौजूद थे। यह मुलाकात सियासी चर्चा का विषय बन गई। तकरीबन दो मिनट तक वसुंधरा राजे और सचिन पायलट मुस्कुराकर

बातें करते रहे। नाम नहीं छापने की शर्त पर वहां मौजूद एक विधायक ने बताया कि वसुंधरा राजे और सचिन पायलट के बीच बातचीत इंग्लिश में हुई। ऐसा लग रहा था दोनों एक दूसरे के हाल-चाल ही पूछ रहे हैं। ज्यादा तो विधायकों को भी समझ में नहीं आया, लेकिन मुस्कुराते हुए दोनों के बीच वार्तालाप हुआ। कभी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी इशारों ही इशारों में सचिन पायलट को करारा जवाब देते हुए कहा था कि अधर्मी को कभी भी राजयोग नहीं मिल सकता। वसुंधरा राजे ने यह भी कहा था कि राजनीतिक रूप से षड्यंत्र करने वाले कभी कामयाब नहीं हो सकते, लेकिन इस मुलाकात से दोनों के बीच शीत युद्ध खत्म होता हुआ नजर आया है।

दिल्ली के बाद यूपी में बाढ़ का खतरा

» बढ़ रहा गंगा और यमुना का जलस्तर, कई जिलों में रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में हो रही लगातार बारिश से अब बाढ़ का खतरा बन रहा है। गंगा और यमुना दोनों ही नदियां उफान पर है। बारिश अभी जारी रहेगी। कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश के चलते गंगा और यमुना अभी उफान पर हैं।

सरयू भी कई जिलों में अपना रौद्र रूप दिखा रही है तो उधर राप्ती का वेग भी अब प्रभावित करने लगा है। बरसाती नदियां अलग से बाढ़ का रूप ले रही हैं। आने वाले दिनों में भी इसी तरह के हालात रहने वाले हैं। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक अभी 17 और 18 जुलाई तक बदायूं जिले में गंगा, शामली में यमुना के जलवृद्धि के कारण अत्यधिक बाढ की आशंका है। इन दोनों जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में आठ जिलों में 30 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है। नदियों का स्तर बढ़ने से कई जिलों में बाढ़ का खतरा बरकरार है। बदायूं में गंगा का जल स्तर उच्च स्तर पर है।

बाराबंकी और फर्रुखाबाद में सरयू सामान्य से काफी ऊपर बह रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने और राहत व बचाव कार्यों की जानकारी के लिए मैदान में उतरे। उन्होंने सहानपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। इधर, शाहजहांपुर और हापुड़ जिले में गंगा तथा बरेली और मुरादाबाद में रामगंगा सामान्य से काफी ऊपर बह रही हैं।

इस सप्ताह भी होगी भीषण बारिश

प्रदेश के 19 जिलों में इस सप्ताह अब तक अत्यधिक बारिश हो चुकी है। 13 जिले ऐसे हैं जिनमें सामान्य से अधिक बारिश हुई तो 19 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। 19 जिलों में न्यून जबकि पांच जिलों में अब भी अति न्यून बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में मैनपुरी, मुरादाबाद, कन्नौज, फर्रुखाबाद, इटावा, कासगंज, संभल, महाराजगंज में 30 एमएम से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जलभराव, महंगाई और छुट्टा पशुओं की समस्या के जरिये सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट करके कहा है कि उत्तर प्रदेश के स्वीमिंग पूलों में पानी की कमी की वजह से जो भावी तैराक तैराकी सीखने से वंचित हो रहे थे, शायद उन्हीं के लिए प्रदेश सरकार ने अपना स्मार्ट एआई दिमाग लगाकर सड़कों पर जलभराव की अस्थायी व्यवस्था की है। अब देखते हैं कि कौन सा विदेशी व्यक्ति या अखबार इनकी सराहना करता है।उन्होंने नियमित जाम पर चिंता जताते हुए कहा कि जनता क्या करे? घर में बिजली और पीने का पानी नहीं, बाहर निकले तो घुटनों तक पानी और जाम। पैरों के नीचे गड्ढे और सामने सांड़ और बाजार में कमरतोड़ महंगाई से सामना। अब तो टमाटर के दाम सुनकर टमाटर से ज्यादा, गुस्से से चेहरे लाल हो रहे हैं।

अश्विन की फिरकी में फंसे कैरेबियाई खिलाड़ी

» भारत ने वेस्टइंडीज से पहला टेस्ट जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोसीयू। दुनिया के शीर्ष गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने लगातार दूसरी बार पारी के पांच विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीसरे ही दिन एक पारी और 141 रन से हरा दिया। भारत ने पहली पारी शुक्रवार को पांच विकेट पर 421 रन पर घोषित करके 271 रन की बढ़त ली थी। पहली पारी में 150 रन बनाने वाली कैरेबियाई टीम दूसरी पारी में 50 ओवर में 130 रन पर ढेर हो गई।

भारत की जीत के सूत्रधार यशस्वी जायसवाल भी रहे जिन्होंने पहले ही टेस्ट में 171 रन बनाये। विराट कोहली ने 182 गेंद में 76 रन बनाये लेकिन उनकी पारी प्रवाहपूर्ण

07 विकेट लिये 71 रन देकर 21.3 ओवर में

नहीं थी और उन्हें रन बनाने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके अलावा उन्हें दो जीवनदान भी मिले। दूसरा और आखिरी टेस्ट पोर्ट आफ स्पेन में 20 जुलाई से खेला जायेगा। भारत ने 2002 से वेस्टइंडीज में एक भी टेस्ट नहीं गंवाया है और उसकी नजरें क्लीन स्वीप करके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अहम अंक लेने पर होंगी।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी की शुरूआत बेहद खराब रही और उसके चार विकेट 32 रन पर ही गिर गए थे।

धीमी और सूखी विकेट पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पांचवें ही ओवर में स्पिनरों को गेंद थमा दी। चाय के समय तक वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 27 रन था। रविंद्र जडेजा ने टी चंद्रपाल को और अश्विन ने क्रेग ब्रेथवेट को पवेलियन भेजा।

एक पारी में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा

पहली पारी में भी सात विकेट लेने वाले अश्विन ने दूसरी पारी में 21. 3 ओवर में 71 रन देकर सात विकेट लिये। एक पारी में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने 33वीं बार किया है।

भाजपा के तांडव से बचाव के लिए पुलिस ने किया लाठीचार्ज

» बिहार सरकार ने पुलिस की लाइव रिपोर्ट जारी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार ने कहा है कि नियम तोड़कर हंगामा भाजपा वालों ने किया था। पुलिस ने जो भी किया, सिर्फ बचाव के लिए किया। दरअसल 13 जुलाई 2023 को पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार विधानसभा पैदल मार्च के दिन बिहार पुलिस ने अपनी ओर से कुछ किया ही नहीं। भले पूरे पटना में गांधी मैदान से विधानसभा तक पैदल मार्च का पोस्टर लगा था, लेकिन प्रशासन को इतनी ही जानकारी थी कि भाजपा वाले गांधी मैदान में जनसभा कर रहे हैं।

भाजपा भले ही पुलिसिया दमन का आरोप लगाकर राजभवन मार्च कर आई और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस घटना की जांच के लिए विशेष टीम बना दी, लेकिन सरकार की रिपोर्ट कह रही है कि भाजपा को जनसभा के अलावा कुछ अनुमति नहीं थी और वह तांडव करने ही सड़क पर उतरी थी। पुलिस सहती रही। पहले मिर्ची के झोंके सहे। फिर पथराव। फिर तोड़फोड़ देखती रही पुलिस। बचने के लिए भी वाटर कैनन चलाए। फिर आंसू गैस भी बचने के लिए और बल प्रयोग भी सिर्फ बचाव के लिए।

भाजपा नेता की मौत की जांच करेगी टीम

भाजपा नेता विजय सिंह की मौत की जांच के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्पेशल टीम का गठन किया है। चार सदस्यीय यह टीम विजय सिंह की मौत की जांच करेगी। और जेपी नड्डा को रिपोर्ट सौंपेगी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अरुण सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षजगत प्रकाश नड्डा जी ने पटना में 13 जुलाई, 2023 को पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हुई पुलिस प्रशासन की बर्बरता एवं राज्य सरकार के तानाशाही रवैये की घोर निन्दा की है। पुलिस लाठीचार्ज में मारे गए पार्टी कार्यकर्ता विजय सिंह की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

विजय सिंह का बलिदान जाया नहीं होगा: सम्राट

इसी बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के शिक्षकों, नौजवानों, किसानों और महिलाओं की आवाज उठाते हुए महागठबंधन सरकार की लाठी से बलिदान हुए भाजपा कार्यकर्ता विजय सिंह की अंत्येष्टि फतुहा घाट पर हुई। अंतिम यात्रा में भाजपा के सभी वरिष्ठ नेतागण और हजारों-हजार की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता और आम जनमानस शामिल होकर नम आंखों से विदाई दी। भाजपा उनके बलिदान को जाया नहीं होने देगी। नीतीश कुमार के पुलिसिया गुंडे के द्वारा ये हत्या करवाई गई है। पुलिस मामले की लीपापोती करना चाहती है। लोकतंत्र की हत्या हो रही है। हमारी पार्टी ने एक कर्मठ कार्यकर्ता खो दिया।

भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किया हुड़दंग, पुलिस पर झोंकी मिर्च

भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की भीड़ करीब समय 1 बजे बजे एसपी वर्मा रोड़ होते हुए डॉकबंगला चौराहा की ओर आ रही थी, उसी क्रम में भीड़ का दुसरा भाग महाराणा प्रताप गोलम्बर से फ्रेजर रोड़ होते हुए डॉकबंगला की तरफ डंडा बैनर, लाठी लेकर हुडदंग करते हुए लगाये बैरिकेटिंग के तरफ दौड़ते हुए आए एवं नारा लगाते हुए वहां पर प्रतिनियुक्त पुलिसकर्मियों के चेहरे पर मिर्ची पाउडर छिड़क दिये, जिससे पुलिसकर्मी पीछे हटकर अपना आंख साफ करने लगे। इसी बीच अन्य कुछ कार्यकर्ता उग्र होते हुए लाठी डंडा से बैरिकेटिंग के उपर मारने लगे तथा बैरिकेटिंग के उपर चढ़कर पुलिस बल से उलझ गये। वहां उद्घोषणा की गई कि उनका यह जमाव विधि विरूद्ध है और पूर्व से ही पूरे इलाके में दप्रसं की धारा 144 लागू है। इसके बावजूद भाजपा के कार्यकर्ताओं की भीड़ नही मानी एवं उग्र होकर बैरिकेटिंग तोड़कर एवं उपर से फांदकर पुलिसकर्मियों को धक्का धुक्की करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे। तब दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के द्वारा उक्त भीड़ को नाजायज जमना घोषित कर दिया गया तथा उन्हें पीछे हटने का आदेश दिया गया। पर वह नहीं मानें तथा उनके द्वारा (विधि विरूद्ध जमाव) मैट्रो कार्यस्थल से पत्थर उठाकर दण्डाधिकारियों / पुलिसकर्मियों पर बौछार करने लगे। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई तथा उनके द्वारा चलाये गये पत्थर एवं लाठी डंडा से जख्मी हॉलत में पाये गये पुलिसकर्मी ने अपना नाम पीटीसी 322 राणा विक्रमादित्य, पीटीसी 5232 शोभा कुमारी, पीटीसी 160 अरविंद कुमार, सिपाही 411 दिवाकर कुमार सिंह, महिला सिपाही 325 कोमल कुमारी, बताया। इन्हें तुरन्त इलाज के लिए कहा गया।अ न्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। उनके द्वारा किये गये अंधाधुंध पथराव से आमजन एवं राहगीरों के जानमाल की हानि एवं विधि-व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई तथा यातायात पूर्णतः अवरूद्ध हो गया।

प्रयागराज से लोस चुनाव लड़ सकते हैं अभिषेक बच्चन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव में इलाहाबाद संसदीय सीट सुर्खियों में रह सकती है। क्योंकि समाजवादी पार्टी ने अमिताभ बच्चन के पुत्र अभिषेक बच्चन को यहां से चुनाव लड़ाने की तैयारी में है। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा इस संबंध में स्थानीय पदाधिकारियों से फीडबैक भी लिया जा रहा है। चर्चा है कि इस संबंध में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जल्द ही मुंबई जाकर अमिताभ बच्चन और राज्यसभा सदस्य जया बच्चन से मुलाकात कर सकते हैं।

अगर अभिषेक बच्चन चुनाव लड़ते हैं तो चुनाव काफी दिलचस्प हो जाएगा। अमिताभ बच्चन का यहां से गहरा नाता रहा है। अभिषेक के भी काफी प्रशंसक हैं। ऐसे में अगर वह सपा से प्रत्याशी बने तो उनके चुनाव प्रचार के बिग बी, जया बच्चन के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन का यहां आना तय है। इलाहाबाद संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट पर अमिताभ बच्चन ने 1984 में लोकसभा का चुनाव जीता था। तब उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं तब के दिग्गज नेता हेमवती नंदन बहुगुणा को शिकस्त देकर हर किसी को चौंका दिया था। उक्त चुनाव में अमिताभ को 68 फीसदी वोट मिले, जबकि बहुगुणा के खाते में 25 फीसदी वोट आए।

फोटो: 4पीएम

नियुक्ति पत्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 66 समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी, 204 अनुदेशक एवं 130 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बाल-बाल बचे मुख्यमंत्री भगवंत मान

» बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के समय हुआ हादसा

» बीच उफान में डगमगाई नाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की नाव जालंधर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा करने के दौरान झुक गई। उनके साथ राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल भी थे। ज्यादा लोग सवार होने के कारण नाव जब पानी के बहाव के बीच पहुंची तो अचानक अनियंत्रित हो गई। नाव पानी में इधर-उधर डोलने लगी।

संत सीचेवाल ने एकदम से नाव को दोबारा फिर से नियंत्रण में कर लिया। इसी दौरान बाहर एकदम हो-हल्ला मच गया। बताया जा रहा है कि मोटर बोट में जरूरत से ज्यादा लोग सवार हो गए थे। जिस वजह से पानी में कुछ दूर चलते ही बोट ने काला धुंआ छोड़ना शुरू कर दिया था। तभी मोटर मोटर बोट हिचकोले खाने लग गई. गनीमत यह रही कि पलटने से बच गए. ये सब दूर से देख रहे प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। बड़ी मुश्किल से मोटर बोट का ड्राइवर उसे दूसरी तरफ ले जाने में सफल रहा। जब जाकर मौके पर मौजूद नेताओं और अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे पीएम मोदी

» तिरंगे के रंग में रंगा बुर्ज खलीफा

» एयरपोर्ट पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद ने किया भव्य स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (15 जुलाई) को फ्रांस की अपनी दो दिवसीय यात्रा समाप्त करने के बाद संयुक्त अरब अमीरात यूएई पहुंचे। जहां उनका एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी के यूएई की आधिकारिक यात्रा से पहले दुबई के बुर्ज खलीफा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रंग प्रदर्शित किए।

अबू धाबी पहुंचने पर पीएम मोदी का हवाई अड्डे पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद ने स्वागत किया। स्वागत पर आभार व्यक्त करते हुए, पीएम मोदी ने ट्विटर पर पोस्ट किया, आज हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए क्राउन प्रिंस एचएच शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का आभारी हूं। पीएम मोदी के अबू धाबी हवाई अड्डे पर पहुंचने पर विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबू धाबी पहुंचे. अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार (15 जुलाई) को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ व्यापक बातचीत करने वाले हैं।

व्यापार समझौते पर होंगे हस्ताक्षर

दोनों देशों के बीच एनर्जी, फूड सिक्योरिटी, डिफेंस जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। दोनों देश रणनीतिक साझेदार एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा जी-20 के एजेंडे को लेकर भी बातचीत होगी। नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनने के बाद ये यूएई का 5वां दौरा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।